(c) if not, the reasons therefor; and

(d) the action Government have taken or propose to take in this regard?

The Minister of Industry in the Ministry of Commerce & Industry (Shri Kanungo): (a) Rs. 2,69,000.00

(b) to (d): The construction work of the factory buildings has been completed but the roads inside the estate have not been completed. The P.W.D. authorities have been requested to expedite the completion of the work.

Exhibition of Movie Films in NEFA and Nagaland

2689. Shri Hem Barua: Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have a programme of exhibiting movie films in NEFA and Nagaland; and

(b) if so, the type of films exhibited so far and their popularity in these areas?

The Prime Minister and Minister of External Affairs and Minister of Atomic Energy (Shri Jawaharlal Nehru) (a) Yes.

(b) Documentary films have, from time to time, been exhibited in the North East Frontier Agency and Nagaland. These have proved very popular. During the current year, the Government of India received proposals from the Administrations of Nagaland and NEFA, for the screening of 41 and 113 films respectively, produced by the Films Division and dealing with agriculture, community development forestry, education, social welfare and arts and crafts. Steps are being taken to place Nagaland on the free mailing list of the Government of India Films Division and to supply both the Administrations with the type of films asked for.

गुवार-गम

२६९०. **श्री युधवीर सिंह चौधरी :**
श्री बागड़ी :
श्री याज्ञिक :

क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९६०–६१ में किस-किस गुवार गम के कारखाने में कितने-कितने मन गम तैयार हुआ ;

(ख) इसमें से कितना गुवार का गम उक्त अवधि में भारत में काम में लाया गया तथा कितना विदेशों को भेजा गया, तथा निर्यात से भारत सरकार को कितनी आय हुई ;

(ग) हिन्दुस्तान गुवार गम लिमिटेड नामक गम के कारखाने को, जो भिवानी (पंजाब) में स्थापित हो रहा है, क्या वार्षिक उत्पादन-क्षमता है तथा केन्द्रीय सरकार उसमें क्या सहयोग दे रही है ;

(घ) क्या सरकार को यह ज्ञात है कि केन्द्रीय कृषि मंत्रालय ने, अप्रैल, १९६२ को गुवार गम के उत्पादन को देश में पशुधन के लिये हानिकर बताते हुए इसके उत्पादन को कम करने की सिफारिश की थी ; और

(ङ) यदि हां, तो इस दिशा में क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में उद्योग मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) १९६० और १९६१ (जनवरी–जुलाई) के वर्षों में, जिनके आंकड़े, उपलब्ध हैं, संगठित क्षेत्र में तीन कारखाने गुवार-गम बना रहे थे । इन कारखानों के नाम ये हैं :—(१) मेसर्स भिवानी गुवार एण्ड गम, भिवानी, (२) मेसर्स इण्डियन गम इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, बम्बई और (३) मेसर्स गम प्रोडक्ट्स लिमिटेड (इण्डिया), अहमदाबाद । इन कारखानों

में निम्नलिखित परिमाण में गुवार-गम तैयार हुआ :—

१९६०	७,६०० टन
१९६१ (जनवरी-जुलाई)	४,८०० टन

(ख) तैयार किया गया अधिकांश गुवार-गम निर्यात कर दिया जाता है। भारत में बहुत कम परिमाण में इसका इस्तेमाल किया जाता है जिसके आंकड़े नहीं रखे जाते। इसके अतिरिक्त देश के व्यापारिक वर्गीकरण में गुवार-गम अलग से नहीं दिखाया जाता है। इस लिये इसके आयात / निर्यात के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। १९६० और १९६१ (जनवरी–१५ जुलाई) में निम्नलिखित परिमाण में गुवार-गम जहाज द्वारा बाहर भेजा गया, जिसमें लघु क्षेत्र द्वारा किया गया निर्यात भी शामिल है :—

अवधि	परिमाण	लगभग मूल्य
	टन	रु०
वर्ष १९६०	१२,६९४	१ (एक) करोड़
जनवरी–१५ जुलाई, १९६१	५,६२५	४६ लाख

(ग) मेसर्स हिन्दुस्तान गम एण्ड केमिकल्स लिमिटेड (मेसर्स हिन्दुस्तान गुवार-गम लिमिटेड नहीं) को भिवानी में गुवार-गम बनाने के लिये लाइसेंस दे दिया गया है। इस कारखाने की गुवार-गम तैयार करने की स्थापित क्षमता ६,६०० टन होगी। उक्त फर्म को गुवार-गम बनाने के लिये सामान्य सुविधायें दे दी गयी हैं जैसे (क) विदेशी फर्म के सहयोग से गुवार-गम बनाना, (ख) विदेशों से मशीनें प्राप्त करना, आदि

(घ) और (ङ) गोसम्वर्धन की केन्द्रीय परिषद् ने इस प्रकार की सिफारिश की है, जो विचाराधीन है।

Symposium on Housing Co-operatives

2691. Shri P. C. Borooah: Will the Minister of **Works, Housing and Supply** be pleased to state:

(a) whether a symposium on Housing Cooperatives was held under the auspices of his Ministry in September, 1961;

(b) if so, what were their main recommendations; and

(c) what action has so far been taken to implement these recommendations in so far as the cooperative house building movement in Delhi is concerned?

The Deputy Minister in the Ministry of Works, Housing and Supply (Shri Jaganath Rao): (a) Yes.

(b) and (c). In accordance with the normal practice, the Symposium provided a forum for the exchange of ideas and experiences on various aspects of Cooperative Housing. The record of deliberations of the Symposium is circulated to the State Governments and Union Territories for information and suitable action.

Sets of the papers relating to the Symposium are available in the Parliament Library.

लघु उद्योग के लिये फोर्ड प्रतिष्ठान दल

२६९२. { **श्री बेरवा :**
श्री भक्त दर्शन :

क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री १९ अप्रैल, १९६२ के तारांकित प्रश्न संख्या ३८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) फोर्ड फाउंडेशन का जो प्रतिनिधि-मंडल भारत में लघु उद्योगों के विकास की संभावनाओं का अध्ययन करने के लिये भारत आया हुआ है वह अब तक कौन-कौन से स्थानों का दौरा कर चुका है ;

(ख) क्या यह भारत सरकार को कोई प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करेगा ; और

(ग) यदि हां, तो कब तक उसका